



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 167]

नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, अगस्त 5, 2004/आवण 14, 1926

No. 167]

NEW DELHI, THURSDAY, AUGUST 5, 2004/SRAVANA 14, 1926

राज्य सभा सचिवालय

आधिकारिक

नई दिल्ली, 5 अगस्त, 2004

सं. आर.एस. 18 (i) 04-सी.इ.—राज्य सभा के सभापति द्वारा लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 (1951 का 43) की धारा 75क की उपधारा (3) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, बनाए गए निम्नलिखित नियम, जो 5 अगस्त, 2004 को प्रवृत्त हुए, एतद्वारा सामान्य सूचना के लिए प्रकाशित किए जाते हैं :—

राज्य सभा सदस्य (आस्तियों तथा देयताओं की घोषणा) नियम, 2004

राज्य सभा के सभापति ने लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 (1951 का 43) की धारा 75क की उपधारा (3) द्वारा उन्हें प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, एतद्वारा निम्नलिखित नियम बनाए हैं :—

1. संक्षिप्त नाम :

इन नियमों का संक्षिप्त नाम राज्य सभा सदस्य (आस्तियों तथा देयताओं की घोषणा), नियम, 2004 है।

2. परिभाषाएँ :

इन नियमों में, जब तक संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो;

(क) "अधिनियम" से लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 (1951 का 43) अभिप्रेत है;

(ख) "समाचार" से राज्य सभा समाचार अभिप्रेत है;

(ग) "सभापति" से राज्य सभा के सभापति अभिप्रेत है;

(घ) "समिति" से राज्य सभा की विशेषाधिकार समिति अभिप्रेत है;

(ड) "सदन" से राज्य सभा अभिप्रेत है;

(च) "प्रपत्र" से इन नियमों के साथ संलग्न प्रपत्र अभिप्रेत है;

(छ) "सदस्य" से राज्य सभा का निर्वाचित सदस्य अभिप्रेत है;

(ज) "रजिस्टर" से नियम-4 उप-नियम (1) के अंतर्गत निर्वाचित सदस्यों की आस्तियों तथा देयताओं की घोषणा का रजिस्टर अभिप्रेत है;

- (ज) "महासचिव" से गण्य सभा का महासचिव अधिप्रेत है और उसके अन्तर्गत वह व्यक्ति भी है जो महासचिव के कर्तव्यों का तत्समय निर्वहन कर रहा है, शामिल है;
- (ज) "धारा" से अधिनियम की धारा अधिप्रेत है;
- (ट) जिन शब्दों और अधिव्यक्तियों को यहां परिभाषित नहीं किया गया, किंतु उन्हें अधिनियम में परिभाषित किया गया है, उनका वही अर्थ होगा जो अधिनियम में क्रमशः उन्हें दिया गया है।

3. सदस्यों द्वारा आसितों और देयताओं के संबंध में सूचना उपलब्ध कराना :

- (1) राज्य सभा का प्रत्येक सदस्य अपना पद ग्रहण करने हेतु शपथ अथवा प्रतिज्ञान लेने की तिथि से 90 दिन के भीतर धारा 75क की उपधारा (1) के अनुपालन में उसके द्वारा अपेक्षित निम्नलिखित सूचना प्रपत्र 1 में सभापति को उपलब्ध कराएगा :—
- (क) जंगम और स्थावर संपत्ति जिसका वह, उसका पति/उसकी पत्नी और उस पर आश्रित बच्चे संयुक्त अथवा पृथक रूप से स्वामी अथवा लाभभोगी हों;
- (ख) किसी सरकारी वित्तीय संस्था के प्रति उसकी देयताएं; और
- (ग) केन्द्र सरकार अथवा राज्य सरकारों के प्रति उसकी देयताएं।

- (2) प्रत्येक सदस्य, उसके द्वारा प्रस्तुत सूचना में परिवर्तनों, यदि कोई हों, को ऐसे परिवर्तन होने के 90 दिनों के भीतर अधिसूचित करेगा।
4. आसितों और देयताओं की घोषणा करने संबंधी रजिस्टर :

- (1) महासचिव प्रपत्र II में एक रजिस्टर रखेगा जिसका नाम सदस्यों की आसितों और देयताओं की घोषणा संबंधी रजिस्टर होगा।
- (2) महासचिव नियम 3 के अधीन प्रत्येक सदस्य द्वारा उपलब्ध कराई गई सूचना के आधार पर रजिस्टर में दर्ज करने हेतु प्रविष्टियां कारित करवायेगा।
- (3) प्रत्येक सदस्य, उसकी पत्नी/उसके पति और आश्रित बच्चों के संबंध में जानकारी रजिस्टर में पृथक पृष्ठ पर अभिलिखित की जाएगी।
- (4) रजिस्टर में अंतर्सिद्ध सूचना गण्य सभा के सभापति की लिखित अनुमति से किसी भी व्यक्ति को उपलब्ध कराई जा सकेगी।

5. निर्देश परिवादों द्वारा होगा :

- (1) किसी सदस्य द्वारा नियमों के किसी उपबंध का जानबूझकर उल्लंघन किए जाने से संबंधित किसी मामले का उल्लेख इन नियमों के उपबंधों के अनुसार ऐसे सदस्य के विरुद्ध शिकायत किए जाने के अलावा नहीं किया जाएगा।
- (2) किसी सदस्य के संबंध में उपनियम (1) में डिल्लिखित प्रत्येक परिवाद किसी अन्य सदस्य या भारत के किसी नागरिक द्वारा लिखित रूप में सभापति को भेजा जाएगा :
- (3) किसी सदस्य के बारे में परिवाद करने से पूर्व, परिवादी अपनी संतुष्टि करेगा कि यह विश्वास करने के लिए उचित आधार है कि ऐसे सदस्य ने जानबूझकर नियमों का उल्लंघन किया है।
- (4) परिवादी के लिए यह सुनिश्चित करना आवश्यक होगा कि परिवाद मिथ्या, तुच्छ या तंग करने वाला नहीं है तथा सद्भाव में किया गया है।
- (5) नियम 5 के अधीन किये गये प्रत्येक परिवाद :
- (क) में उन महत्वपूर्ण तथ्यों का संक्षिप्त क्रियरण होगा जिन पर परिवादी का भरोसा है, तथा
- (ख) प्रत्येक प्रतिवाद के स्थीर निम्नलिखित संलग्न होगा :—
- (i) परिवादी द्वारा विधिवत रूप से प्रतिज्ञात शपथपत्र, जिसमें कहा गया हो कि परिवाद मिथ्या, तुच्छ या तंग करने वाला नहीं है तथा सद्भाव में किया गया है; और
- (ii) यदि कोई दस्तावेजी सांक्षय हों, जिन पर परिवादी का भरोसा है, तो उनकी प्रतियां तथा जहां परिवादी को उसे किसी व्यक्ति द्वारा दी गई जानकारी पर भरोसा हो, वहां ऐसे प्रत्येक व्यक्ति के नाम और पतों का विवरण तथा ऐसे प्रत्येक व्यक्ति द्वारा दी गई जानकारी का सारांश।
- (6) अधिवचनों के सत्यापन के लिए प्रत्येक पृथक परिवाद पर परिवादी अपने हस्ताक्षर करेगा तथा ऐसी रीति से उसका सत्यापन करेगा जो सिविल प्रक्रिया संहिता, 1908 (1908 का 5) में निर्धारित है।

- (7) परिवाद के प्रत्येक अनुबंध पर भी परिवादी के हस्ताक्षर होगे तथा उसका सत्यापन उसी रीति से होगा जिस रीति से परिवाद का सत्यपान होगा।
6. **प्रक्रिया :**
- (1) नियम 5 के तहत किसी परिवाद के प्राप्त होने पर सभापति विचार करेगा कि क्या वह परिवाद उक्त नियम की आवश्यकताओं के अनुरूप है।
 - (2) यदि परिवाद नियम 5 की आवश्यकताओं के अनुरूप नहीं है तब सभापति परिवाद को स्वीकार नहीं करेगा तथा तदनुसार परिवादी को सूचित कर देगा।
 - (3) यदि परिवाद नियम 5 की आवश्यकताओं के अनुरूप है तो सभापति उस परिवाद और उनके अनुबंधों की प्रतियां बनाकर उस सदस्य को भिजवाएगा जिसके विरुद्ध परिवाद किया गया हो, और ऐसा सदस्य ऐसी प्रतियों के प्राप्त होने के पन्द्रह दिनों के भीतर, या इसके ऊपर इतनी अवधि के भीतर जिसकी सभापति पर्याप्त कारण से अनुमति दे, उस पर अपनी लिखित टिप्पणियां सभापति को भेजेगा।
 - (4) उप-नियम (3) के तहत परिवाद के संबंध में अनुमत अवधि (मूल अवधि या उक्त उप-नियम के तहत बढ़ाई गई अवधि) के भीतर प्राप्त टिप्पणियों, यदि कोई हों, पर विचार करने के पश्चात् सभापति—
 - (क) यदि वह संतुष्ट हो कि इन नियमों का जानबूझकर उल्लंघन नहीं किया गया है परिवाद को अस्वीकृत कर सकेगा; अथवा
 - (ख) यदि वह मामले की प्रकृति और परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए संतुष्ट है कि ऐसा करना आवश्यक और समीचीन है, परिवाद की जांचने और उसे एक प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के लिए समिति के समक्ष भेज सकेगा।
 - (5) जहां सभापति उप-नियम (4) के तहत समिति को कोई परिवाद भेजता है वह;—
 - (क) समिति से इस निष्कर्ष के साथ प्रतिवेदन मिलने पर कि सदस्य द्वारा इन नियमों के प्रावधानों का जानबूझकर उल्लंघन नहीं किया गया है, इस मामले को बंद कर देगा; अथवा
 - (ख) समिति से ऐसा प्रतिवेदन मिलने पर जिसमें यह निष्कर्ष निकाल लिया गया हो कि इन नियमों का जानबूझकर उल्लंघन किया गया है प्रतिवेदन को सदन के सभा पटल पर बिना किसी विलंब के रखवाएगा, ताकि समिति के प्रतिवेदन में अंतर्विष्ट अनुशंसाओं के आधार पर सदन कोई निर्णय ले सके।
 - (6) वह प्रक्रिया जिसका अनुसरण समिति उप-नियम (4) के अधीन जांच करने के लिए करेगी, जहां तक हो सके, वही प्रक्रिया होगी जिसका समिति किसी सदस्य द्वारा सदन के विशेषाधिकार को भंग किए जाने के किसी प्रश्न का अवधारण करने के लिए अनुसरण करती है और समिति इस निष्कर्ष पर कि सदस्य इन नियमों का जानबूझकर उल्लंघन किया था, तभी ज्ञाहुचेही जबकि उस सदस्य को अपना पक्ष प्रस्तुत करने का और व्यक्तिगत रूप से सुनवाई का समुचित अवसर प्रदान किया गया है।
 - (7) उप-नियम (4) एवं (5) में निर्दिष्ट प्रत्येक निर्णय को समाचार में प्रकाशित किया जाएगा।

ग्रपत्र 1

(देखें नियम 3)

क. सदस्यों की परिसम्पत्तियों और देयताओं संबंधी जानकारी

1. सदस्य का नाम
(स्पष्ट अक्षरों में)
2. पिता/पति का नाम
3. स्थायी पता
4. दिल्ली का पता
5. दल संबद्धता
6. निर्वाचन की तिथि
7. सदन में शापथ लेने/प्रतिज्ञान करने की तारीख

I. अचल सम्पत्ति का व्यौरा

- (1) राज्य, जिला, उप-संभाग और गांव का नाम जिसमें सम्पत्ति है
- (2) सम्पत्ति का व्यौरा
 - (क) मकान एवं भवन और उनका वर्तमान मूल्य
 - (ख) भूमि और उसका वर्तमान मूल्य
- (3) स्थानिकत्व के रूप में धारित है अथवा लाभार्थी के रूप में
- (4) संयुक्त रूप में धारित है अथवा पृथक रूप में। यदि सम्पत्ति किसी और के साथ संयुक्त रूप से धारित है तो सदस्य का हिस्सा
- (5) यदि सदस्य के नाम धारित नहीं है तो किसके नाम धारित है और सदस्य के साथ उसका क्या संबंध है।
- (6) कैसे प्राप्त की (क्रय, पट्टा, गिरवी, विरासत, भेट या अन्य प्रकार से प्राप्त की गई, साथ ही इसकी प्राप्ति की तिथि एवं व्यक्ति का नाम जिससे प्राप्त की गई)
- (7) कोई अन्य संगत जानकारी, जो सदस्य देना चाहे

II. चल सम्पत्ति का व्यौरा

- (1) सम्पत्ति का विवरण
(अर्थात् कार/मोटर साइकिल/आभूषण/बैंकों/शेर्य बाजार/कंपनियों/वित्तीय संस्थाओं/बीमा पॉलिसी आदि में निवेश)
- (2) जहाँ आवश्यक हो विनिर्माता कंपनी
(वाहनों के मामले में पंजीकरण संख्या भी)
- (3) कैसे प्राप्त की (प्राप्त/नेट/गिरवी या अन्य किसी प्रकार से)
- (4) सम्पत्ति का क्रय मूल्य
- (5) क्रय के मामले में वित्तपोषण का स्रोत
 - (क) निजी बचत
 - (ख) अन्य स्रोत
- (6) कोई अन्य संगत जानकारी, जो सदस्य देना चाहे

III. लोक वित्तीय संस्थाओं/केन्द्र सरकार और राज्य सरकार के प्रति सदस्य की देवताओं का व्यौरा

- (1) बैंकों/कंपनियों/वित्तीय संस्थाओं/केन्द्र/राज्य सरकारों से लिए गए ऋण का व्यौरा
- (2) प्रत्येक मामले में लिए गए ऋण की राशि
- (3) प्रत्येक मामले में लिए गए ऋण की अवधि

ख. सदस्य की पत्नी/पति द्वारा धारित अंचल/चल सम्पत्तियों के बारे में जानकारी

1. सदस्य की पत्नी/पति का नाम
(स्पष्ट अक्षरों में)
2. पिता/पति का नाम
3. स्थायी पता
4. दिल्ली का पता

I. अंचल सम्पत्ति का व्यौरा

- (1) राज्य, जिला, उप-संभाग और गांव का नाम जिसमें सम्पत्ति है
- (2) सम्पत्ति का व्यौरा :
 - (क) मकान एवं भवन और उनका वर्तमान मूल्य
 - (ख) भूमि और उसका वर्तमान मूल्य

- (3) स्वामी के रूप में धारित है अथवा लाभार्थी के रूप में
- (4) संयुक्त रूप से धारित है अथवा पृथक रूप में। यदि सम्पत्ति संयुक्त रूप से धारित है तो उसमें सदस्य का कितना हिस्सा है
- (5) यदि पत्नी/पति के अपने नाम पर नहीं है तो किसके नाम पर है और सदस्य के साथ उसका क्या संबंध है
- (6) कैसे प्राप्त की :
 - (क्रय, पट्टा, गिरवी, विरासत, भेंट स्वरूप या अन्य प्रकार से। सम्पत्ति प्राप्ति की तारीख क्या है और इसे किससे प्राप्त किया है)
- (7) कोई अन्य संगत जानकारी जो सदस्य देना चाहे

II. चल सम्पत्ति का ब्यौरा

- (1) सम्पत्ति का विवरण (अर्थात् कार/मोटर साइकिल/आभूषण/बैंकों/शेयर आजार/कम्पनियों/वित्तीय संस्थाओं/बीमा पालिसी आदि में निवेश)
- (2) जहां आवश्यक हो विनिर्माता कम्पनी, भाड़ल (वाहनों के संबंध में पंजीकरण संख्या भी)
- (3) कैसे प्राप्त की (क्रय/भेंट/गिरवी/पट्टा या अन्य किसी प्रकार से)
- (4) सम्पत्ति का क्रय मूल्य
- (5) क्रय के मामले में विस्तोषण का स्रोत
 - (क) निजी बचत
 - (ख) अन्य स्रोत
- (6) स्वामी के रूप में धारित है अथवा लाभार्थी के रूप में
- (7) सम्पत्ति संयुक्त रूप से धारित है अथवा पृथक रूप में
- (8) कोई अन्य संगत जानकारी, जो सदस्य देना चाहे

ग. सदस्य के आश्रित बच्चों के अधिकार में चल और अचल-सम्पत्ति के बारे में जानकारी

1. सदस्य के आश्रित बच्चों के नाम
(स्पष्ट अक्षरों में)
2. पिता/पति का नाम
3. स्थायी पता
4. दिल्ली का पता

L. अंचल सम्पत्ति का ब्यौरा

- (1) राज्य, जिला, उप-संभाग और गांव जिसमें सम्पत्ति है
- (2) सम्पत्ति का ब्यौरा :
 - (क) मकान एवं भवन तथा उनका वर्तमान मूल्य
 - (ख) भूमि एवं उसका वर्तमान मूल्य
- (3) स्वामी के रूप में धारित है अथवा लाभार्थी के रूप में
- (4) संयुक्त रूप में धारित है अथवा पृथक रूप में। यदि सम्पत्ति संयुक्त रूप में धारित है तो उसमें सदस्य का हिस्सा कितना है
- (5) यदि बच्चों के अपने नाम नहीं हैं तो किसके नाम हैं और बच्चे के साथ उसका क्या संबंध है
- (6) कैसे प्राप्त की :
 - (क्रय, पट्टा, गिरवी, विरासत, भेंट स्वरूप या अन्य प्रकार से। साथ ही सम्पत्ति प्राप्ति की तारीख और इसे किससे प्राप्त किया)
- (7) कोई अन्य संगत जानकारी जो सदस्य देना चाहे

२५१५८१०५—२

II. चल सम्पत्ति का व्यौरा

- (1) सम्पत्ति का विवरण (अर्थात् कार/मोटर साइकिल/आभूषण/बैंकों/शेयर बाजार/कम्पनियों/वित्तीय संस्थाओं/बीमा पालिसी आदि में निवेश)
- (2) जहां आवश्यक हो विनियोगी कम्पनी, माडल (चाहनों के संबंध में पंजीकरण संख्या भी)
- (3) कैसे प्राप्त की :
 - (क्रय/भेट/गिरवी/पट्टा या अन्य प्रकार से)
- (4) सम्पत्ति का क्रय मूल्य
- (5) क्रय के मामले में वित्तपोषण का स्रोत
 - (क) निजी बचत
 - (ख) अन्य स्रोत
- (6) स्वामी के रूप में धारित है अथवा लाभार्थी के रूप में
- (7) सम्पत्ति संयुक्त रूप से धारित है अथवा पृथक रूप में
- (8) कोई अन्य संगत जानकारी, जो सदस्य देना चाहे

घोषणा

..... में, एतद्वारा घोषित करता हूँ कि उपर्युक्त जानकारी मेरे ज्ञान और विश्वास के अनुसार सत्य है।

भवदीय,

दिनांक :

सदस्य के हस्ताक्षर/

अंगूठे का निशान

प्रपत्र II

[देखें नियम 4(1)]

भाग क

1. सदस्य का नाम
(स्पष्ट अक्षरों में)
2. पिता/पति का नाम
3. स्थायी पता
4. दिल्ली का पता

5. अचल सम्पत्तियों का मूल्य सहित ब्यौरा
6. चल सम्पत्तियों का मूल्य सहित ब्यौरा
7. देनदारियों का ब्यौरा
8. टिप्पणियां

भाग ख

1. सदस्य की पत्नी/पति का नाम
(स्पष्ट अक्षरों में)
2. स्थायी पता
3. दिल्ली का पता
4. अचल सम्पत्तियों का मूल्य सहित ब्यौरा
5. चल सम्पत्तियों का मूल्य सहित ब्यौरा
6. टिप्पणियां

भाग ग

1. सदस्य के आकृति बच्चों के नाम
(स्पष्ट अक्षरों में)
2. स्थायी पता
3. दिल्ली का पता
4. अचल सम्पत्तियों का मूल्य सहित ब्यौरा
5. चल सम्पत्तियों का मूल्य सहित ब्यौरा
6. टिप्पणियां

योगेन्द्र नारायण, महासचिव

RAJYA SABHA SECRETARIAT

NOTIFICATION

New Delhi, the 5th August, 2004

No. R.S. 18(I)/04-C.E.—The following Rules, made by the Chairman, Rajya Sabha, in exercise of the powers conferred by sub-section (3) of Section 75A of the Representation of the People Act, 1951 (43 of 1951) and which came into force on the 5th August, 2004 are hereby published for general information :—

**THE MEMBERS OF RAJYA SABHA
(DECLARATION OF ASSETS AND LIABILITIES)
RULES, 2004**

In exercise of the powers conferred by sub-section(3) of section 75A of the Representation of the People Act, 1951(43 of 1951), the Chairman of the Council of States (Rajya Sabha) hereby makes the following rules, namely :

1. Short title —These Rules may be called the Members of Rajya Sabha (Declaration of Assets and Liabilities) Rules, 2004.

2. Definitions — In these rules, unless the context otherwise requires:-

- (a) "Act" means the Representation of People Act, 1951(43 of 1951);
- (b) "Bulletin" means the Bulletin of the Council of States (Rajya Sabha);
- (c) "Chairman" means the Chairman of the Council of States (Rajya Sabha);
- (d) "Committee" means the Committee of Privileges of the Council of States (Rajya Sabha);
- (e) "Council" means the Council of States (Rajya Sabha);
- (f) "Form" means a form appended to these rules;
- (g) "Member" means an elected member of the Council of States (Rajya Sabha);
- (h) "Register" means the Register of Declaration of Assets and Liabilities of elected members maintained under sub-rule(1) of rule 4;
- (i) "Secretary-General" means the Secretary-General of the Council of States (Rajya Sabha) and includes any person for the time being performing the duties of the Secretary-General;
- (j) "Section" means a section of the Act;
- (k) Words and expressions not defined herein but defined in the Act shall have the meanings respectively assigned to them in the Act.

3. Furnishing of information regarding assets and liabilities by members:—

(1) Every member of the Council shall, within ninety days from the date on which he makes and subscribes an oath or affirmation for taking his seat, furnish as in Form I the following information as required to be furnished by him to the Chairman in pursuance of sub-section (1) of section 75A, namely:—

- (i) the movable and immovable property of which he, his spouse and his dependent children are jointly or severally owners or beneficiaries;
- (ii) his liabilities to any public financial institution; and
- (iii) his liabilities to the Central Government or to the State Governments.

(2) Every member shall notify changes, if any, in the information so furnished by him within ninety days of such changes occurring.

4. Register of Declaration of Assets and Liabilities:—

- (1) The Secretary-General shall maintain a register to be called the Register of Declaration of Assets and Liabilities of members as in Form II.
- (2) The Secretary-General shall cause entries to be made in the Register based on the

information furnished by every member under rule 3.

- (3) The information in relation to each member, his spouse and dependent children shall be recorded on a separate page in the Register.
- (4) The information contained in the Register shall be made available to any person with written permission of the Chairman.

5. References to be by complaints:—

- (1) No reference of any question as to whether a member has wilfully contravened any provision of these rules shall be made except by a complaint in relation to such member made in accordance with the provisions of these rules.
- (2) Every complaint referred to sub-rule(1) in relation to a member shall be made in writing to the Chairman by any other member or any citizen of India.
- (3) Before making any complaint in relation to any member, the complainant shall satisfy himself that there are reasonable grounds for believing that such member has wilfully contravened these rules.
- (4) It shall be incumbent upon the complainant to ensure that the complaint is not false, frivolous or vexatious and it is made in good faith.
- (5) Every complaint made under rule 5:—
 - (a) shall contain a concise statement of the material facts on which the complainant relies upon ; and
 - (b) shall be accompanied by-
 - (i) an affidavit duly affirmed by the complainant stating that the complaint is not false, frivolous or vexatious and that it is made in good faith; and
 - (ii) copies of the documentary evidence, if any, on which the complainant relies and where the complainant relies on any information furnished to him by any person, a statement containing the names and addresses of such persons and the gist of such information as furnished by each such person.
- (6) Every complaint shall be signed by the complainant and verified in the manner laid down in the Code of Civil Procedure, 1908 (5 of 1908), for the verification of pleadings.
- (7) Every annexure to the complaint shall also be signed by the complainant and verified in the same manner as the complaint.

6. Procedure:—

- (1) On receipt of a complaint under rule 5, the Chairman shall consider whether the complaint complies with the requirements of that rule.
- (2) If the complaint does not comply with the requirements of rule 5, the Chairman shall not entertain the complaint and intimate the complainant accordingly.
- (3) If the complaint complies with the requirements of rule 5, the Chairman shall cause copies of the complaint and of the annexures thereto to be forwarded to the member in relation to whom the complaint has been made, and such member shall within fifteen day of receipt of such copies, or within such further period as the Chairman may for sufficient cause allow, forward his comments in writing thereon to the Chairman.

2415 GT/04-3

- (4) After considering the comments, if any, in relation to the complaint, received under sub-rule (3) within the period allowed (whether originally or on extension under the sub-rule), the Chairman may—
- if he is satisfied that there has not been any wilful contravention of these rules, reject the complaint; or
 - if he is satisfied, having regard to the nature, and circumstances of the case that it is necessary or expedient so to do, refer the complaint to the Committee for making an inquiry and submitting a report to him.
- (5) Where the Chairman makes a reference under sub-rule(4) to the Committee, he shall—
- on receipt of the report from the Committee with a finding that there has not been any wilful contravention of the provisions of these rules by the member, treat the matter as closed; or
 - on receipt of report from the Committee with a finding that there has been a wilful contravention of the provisions of these rules, cause the report of the Committee to be laid on the Table of the Council without any delay for a decision by the Council on the recommendations contained in the report of the Committee.
- (6) The procedure which shall be followed by the Committee for the purpose of making an inquiry under sub-rule(4) shall be, so far as may be, the same as the procedure for inquiry and determination by the Committee of any question as to breach of privilege of the Council by a member, and the Committee shall come to any finding that a member had wilfully contravened the provisions of these rules only after affording a reasonable opportunity to such member to represent his case and to be heard in person.
- (7) Every decision referred to in sub-rules(4) and (5) shall be published in the Bulletin.

FORM I
(See rule 3)

A. Information regarding assets & liabilities of members

1. Name of the Member
(in block letters)
2. Father's/Husband's name
3. Permanent address
4. Delhi address
5. Party affiliation
6. Date of election
7. Date of taking oath/making affirmation in the House

I. Details of immovable property

- (1) Name of the State, District, Sub-division and Village in which property is situated.
- (2) Details of property
 - (a) House and buildings and their present value
 - (b) Lands and their present value

- (3) Whether held as owner or beneficiary.
- (4) Whether held jointly or severally. If property held jointly with another person, share of property held.
- (5) If not held in member's own name, state in whose name held and his/her relationship with the member.
- (6) How acquired
(whether by purchase, lease, mortgage, inheritance, gift or otherwise with date of acquisition and name of person from whom acquired).
- (7) Any other relevant information which the member may like to mention.

II. Details of movable property

- (1) Description of the property
(i.e. car/motorcycle/jewellery/investments in banks/stock markets/ companies/financial institutions/insurance policies etc.)
- (2) Make, model (and also registration No. in case of vehicles) where necessary.
- (3) Mode of acquisition (purchase/gift/mortgage lease or otherwise)
- (4) Purchase price of the property
- (5) In case of purchase, source or sources from which financed
 - (a) personal savings
 - (b) other sources
- (6) Any other relevant information which the member may like to furnish

III. Details of liabilities of the member to public financial institutions/Central Government and State Governments

- (1) Details of loans raised from Banks/Companies/Financial institutions/ Central/State Governments
- (2) Amount of loans raised in each case
- (3) The period for which these loans were raised in each case.

B. Information regarding immovable and movable properties held by member's spouse

1. Name of the Member's spouse
(in block letters)
2. Father's/Husband's name
3. Permanent address
4. Delhi address

I. Details of immovable Property

- (1) Name of the State, District, Sub-division and Village in which property is situated.
- (2) Details of property
 - (a) House and buildings and their present value
 - (b) Lands and their present value
- (3) Whether held as owner or beneficiary.

- (4) Whether held jointly or severally. If property held jointly with member, share of property held.
- (5) If not held in spouse's own name, state in whose name held and his her relationship with the spouse.
- (6) How acquired
(whether by purchase, lease, mortgage, inheritance, gift or otherwise with date of acquisition and name of person from whom acquired).
- (7) Any other relevant information which the member may like to mention.

II. Details of movable property

- (1) Description of the property
(i.e. car/motorcycle/jewellery/investments in banks/stock markets/ companies/financial institutions/insurance policies etc.)
- (2) Make, model (and also registration No. in case of vehicles) where necessary.
- (3) Mode of acquisition (purchase/gift/mortgage lease or otherwise)
- (4) Purchase price of the property
- (5) In case of purchase, source or sources from which financed
 - (a) personal savings
 - (b) other sources
- (6) Whether held as owner or beneficiary.
- (7) Whether held jointly or severally.
- (8) Any other relevant information which the member may like to furnish

C. Information regarding immovable and movable properties held by member's dependent children

1. Name of the Member's dependent children
(in block letters)
2. Father's/Husband's name
3. Permanent address
4. Delhi address

I. Details of immovable property

- (1) Name of the State, District, Sub-division and Village in which property is situated.
- (2) Details of property
 - (a) House and buildings and their present value
 - (b) Lands and their present value
- (3) Whether held as owner or beneficiary.
- (4) Whether held jointly or severally. If property held jointly with member, share of property held.

- (5) If not held in child's own name, state in whose name held and his/ her relationship with the child.
- (6) How acquired
(whether by purchase, lease, mortgage, inheritance, gift or otherwise with date of acquisition and name of person from whom acquired).
- (7) Any other relevant information which the member may like to mention.

II. Details of movable property

- (1) Description of the property
(i.e. car/motorcycle/jewellery/investments in banks/stock markets/ companies/financial institutions/insurance policies etc.)
- (2) Make, model (and also registration No. in case of vehicles) where necessary.
- (3) Mode of acquisition (purchase/gift/mortgage lease or otherwise)
- (4) Purchase price of the property
- (5) In case of purchase, source or sources from which financed
 - (a) personal savings
 - (b) other sources
- (6) Whether held as owner or beneficiary.
- (7) Whether held jointly or severally.
- (8) Any other relevant information which the member may like to furnish

DECLARATION

I, hereby declare that the information given above is true and correct to the best of my knowledge and belief.

Yours faithfully,

Date:

(Signature/thumb
Impression of member

24/5/2014-4

FORM II
[(See rule 4(1))]**PART A**

1. Name of the Member
(in block letters)
2. Father's/Husband's name
3. Permanent address
4. Delhi address
5. Details of immovable properties with value
6. Details of movable properties with value
7. Details of liabilities
8. Remarks

PART B

1. Name of the Member's spouse
(in block letters)
2. Permanent address
3. Delhi address
4. Details of immovable properties with value
5. Details of movable properties with value
6. Remarks

PART C

1. Name of the Member's dependent children
(in block letters)
2. Permanent address
3. Delhi address
4. Details of immovable properties with value
5. Details of movable properties with value
6. Remarks

YOGENDRA NARAIN, Secy.-General